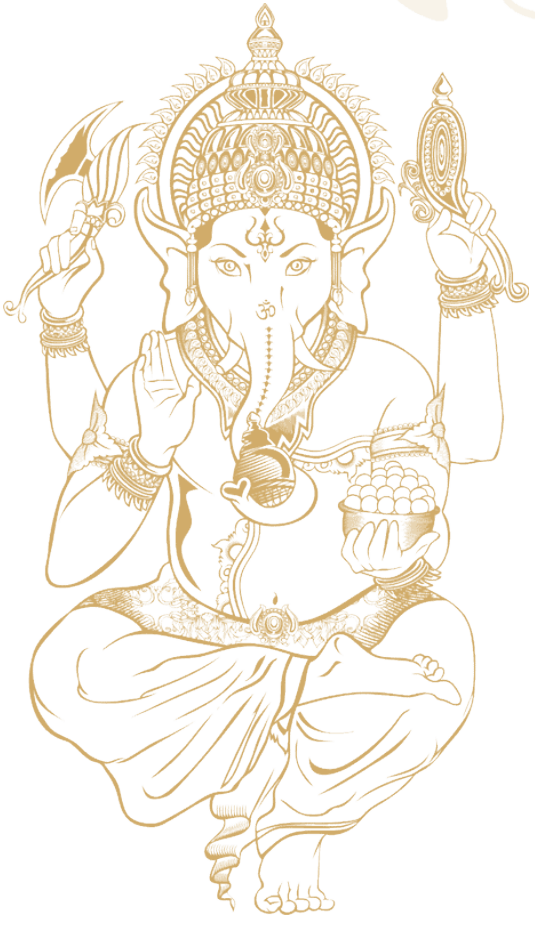

Vikrant Tomar

10 Dec 1995

05:50 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121485102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/12/1995**
दिन	रविवार
जन्म समय	**17:50:00 घंटे**
इष्ट	26:57:51 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:28:52 घंटे
वेलान्तर	00:07:28 घंटे
साम्पातिक काल	22:43:54 घंटे
सूर्योदय	07:02:51 घंटे
सूर्यास्त	17:24:34 घंटे
दिनमान	10:21:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	24:09:30 वृश्चिक
लग्न के अंश	01:15:23 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	ब्रह्म
करण	बव
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ही-हीरा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	01:15:23	339:07:23	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	24:09:30	01:00:57	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	01:42:36	11:52:05	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	स्वराशि
मंगल			धनु	13:45:30	00:45:55	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	03:41:25	01:33:32	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	सम राशि
गुरु		अ	धनु	00:46:57	00:13:37	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण
शुक्र			धनु	22:16:24	01:14:21	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
शनि			कुंभ	24:30:15	00:01:59	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	स्वराशि
राहु	व		तुला	01:09:40	00:09:44	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मित्र राशि
केतु	व		मेष	01:09:40	00:09:44	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष			मक	04:24:56	00:02:53	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
नेप			मक	00:07:41	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	07:22:13	00:02:19	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
दशम भाव			कुंभ	15:35:55	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:08

लग्न-चलित

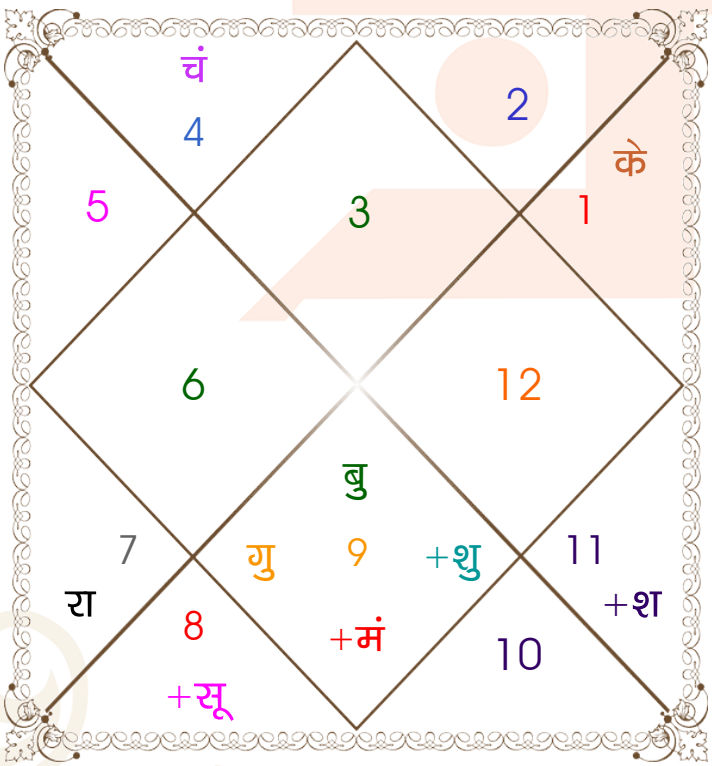

चन्द्र कुंडली

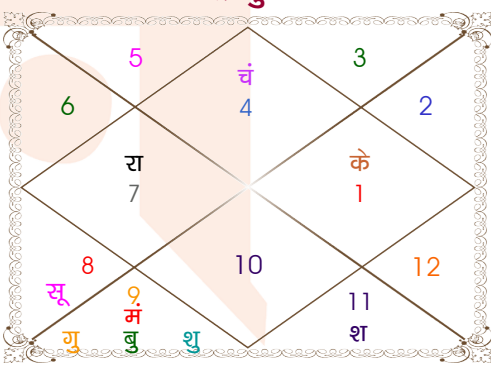

नवमांश कुंडली

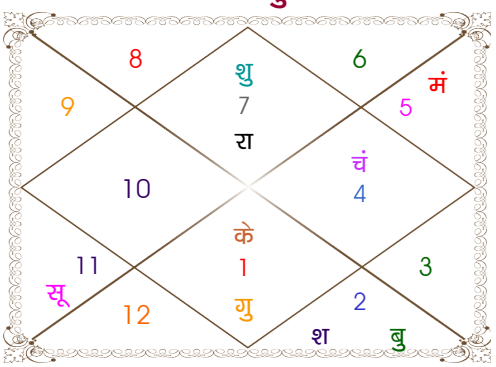

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 1 वर्ष 11 मास 11 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
10/12/1995		21/11/1997		20/11/2016		21/11/2033		20/11/2040	
21/11/1997		20/11/2016		21/11/2033		20/11/2040		20/11/2060	
	00/00/0000	शनि	24/11/2000	बुध	19/04/2019	केतु	19/04/2034	शुक्र	22/03/2044
	00/00/0000	बुध	04/08/2003	केतु	15/04/2020	शुक्र	19/06/2035	सूर्य	22/03/2045
	00/00/0000	केतु	11/09/2004	शुक्र	14/02/2023	सूर्य	25/10/2035	चंद्र	21/11/2046
	00/00/0000	शुक्र	12/11/2007	सूर्य	22/12/2023	चंद्र	25/05/2036	मंगल	21/01/2048
	00/00/0000	सूर्य	24/10/2008	चंद्र	22/05/2025	मंगल	21/10/2036	राहु	21/01/2051
	00/00/0000	चंद्र	25/05/2010	मंगल	19/05/2026	राहु	09/11/2037	गुरु	21/09/2053
	00/00/0000	मंगल	04/07/2011	राहु	06/12/2028	गुरु	15/10/2038	शनि	20/11/2056
	10/12/1995	राहु	10/05/2014	गुरु	14/03/2031	शनि	24/11/2039	बुध	21/09/2059
राहु	21/11/1997	गुरु	20/11/2016	शनि	21/11/2033	बुध	20/11/2040	केतु	20/11/2060

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
20/11/2060		21/11/2066		20/11/2076		21/11/2083		22/11/2101	
21/11/2066		20/11/2076		21/11/2083		22/11/2101		11/12/2115	
सूर्य	10/03/2061	चंद्र	21/09/2067	मंगल	19/04/2077	राहु	03/08/2086	गुरु	10/01/2104
चंद्र	09/09/2061	मंगल	21/04/2068	राहु	07/05/2078	गुरु	27/12/2088	शनि	23/07/2106
मंगल	15/01/2062	राहु	21/10/2069	गुरु	13/04/2079	शनि	03/11/2091	बुध	28/10/2108
राहु	09/12/2062	गुरु	20/02/2071	शनि	22/05/2080	बुध	22/05/2094	केतु	04/10/2109
गुरु	27/09/2063	शनि	21/09/2072	बुध	19/05/2081	केतु	10/06/2095	शुक्र	04/06/2112
शनि	08/09/2064	बुध	20/02/2074	केतु	15/10/2081	शुक्र	10/06/2098	सूर्य	23/03/2113
बुध	16/07/2065	केतु	21/09/2074	शुक्र	15/12/2082	सूर्य	04/05/2099	चंद्र	23/07/2114
केतु	21/11/2065	शुक्र	22/05/2076	सूर्य	22/04/2083	चंद्र	03/11/2100	मंगल	29/06/2115
शुक्र	21/11/2066	सूर्य	20/11/2076	चंद्र	21/11/2083	मंगल	22/11/2101	राहु	11/12/2115

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 1 वर्ष 11 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।